

बच्चे के जन्म के दूसरे दिन पेट साफ करने के लिए पिलाई जाती है।

घूँसा पुं. (देश.) 1. बँधी हुई मुट्ठी जो मारने के लिए उठाई जाए 2. बँधी हुई मुट्ठी का प्रहार, मुक्का **मुहा.** घूँसा खाना-घूँसा चलाना।

घूँसेबाज वि. (देश.+फा) घूँसा मारनेवाला 2. घूँसेबाजी का खेल खेलने वाला।

घूआ पुं. (देश.) बाँस, मूँज या सरकंडे आदि का रुई की तरह का फूल जो लंबे सीकों में लगा होता है 2. पानी के किनारे मिट्टी में रहने वाला एक कीड़ा, जिसे बुलबुल आदि पक्षी खाते हैं, रेवां 3. दरवाजे में ऊपर या नीचे का वह छेद जिसमें किवाड़ की चूल अटकाई जाती है।

घूक पुं. (तत्.) 1. घुग्घू, उल्लू 2. बाँस, बेंत, रँहटे या मूँज आदि का बना हुआ तंग मुँह का बर्तन।

घूकारि पुं. (तत्.) कौआ।

घूगस पुं. (देश.) ऊँचा बुर्ज।

घूघँट पुं. (तद्.) दे. घूँघट, स्त्रियों की साड़ी या चादर के किनारे का वह भाग जिसे वे लज्जावश या परदे के लिए सिर पर से नीचे बढ़ाकर मुँह पर डाले रहती हैं।

घूघ स्त्री. (देश.) लोहे या पीतल की बनी टोपी जो लड़ाई के समय सिर को चोट से बचाने के लिए पहनी जाती है।

घूघी स्त्री. (देश.) जेब, घुग्घी, फाख्ता।

घूटका पुं. (तत्.) भीमसेन का घटोत्कच नाम का पुत्र जो हिडिंबा राक्षसी से पैदा हुआ था।

घूड़ा पुं. (देश.) दे. घूरा।

घूमनि स्त्री. (देश.) घूमने का भाव।

घूम स्त्री. (देश.) फेर, घूमने का भाव, मोड़, वह स्थान जहाँ से किसी ओर मुड़ना पड़े 2. निद्रा।

घूमना अ.क्रि. (देश.) 1. चारों ओर फिरना, चक्कर खाना 2. सैर करना, टहलना 3. देशांतर में भ्रमण करना 4. एक वृत्त की परिधि में घूमना, काटना 5. किसी ओर मुड़ना 6. वापस आना, लौटना **मुहा.** घूम जाना-गायब हो जाना। घूम पड़ना-बिगाड़ उठना 7. उत्तम होना, मतवाला होना।

घूमर वि. (देश.) मत्त, मत्तवाला पुं. एक राजस्थानी लोक नृत्य।

घूर पुं. (तद्.) 1. वह स्थान जहाँ कूड़ा करकट फेंका जाए 2. कूड़े का ढेर 3. किसी पोली चीज़ में उसको भारी करने के लिए भरा हुआ बालू और सुहागा।

घूरना अ.क्रि. (तद्.) बार-बार आँख गड़ाकर बुरे भाव से देखना, बुरी नीयत से एकटक देखना, कुपित दृष्टि से ताकना।

घूरा पुं. (तद्.) कूड़े का ढेर, वह स्थान जहाँ कूड़ा फेंका जाता है।

घूराघारी स्त्री. (देश.+अनु) घूरने की क्रिया या भाव।

घूर्णन पुं. (तत्.) घूमना, चक्कर खाना 2. भ्रमण।

घूर्णि स्त्री. (तत्.) दे. घूर्णन।

घूर्णित वि. (तत्.) 1. घूमता हुआ, चकराता हुआ 2. भ्रमित

घूला पुं. (देश.) बाँस, बेंत, रहटे या मूँज इत्यादि का बना हुआ तंग मुँह का बर्तन।

घूस स्त्री. (तद्.) चूहे के वर्ग का एक बड़ा जंतु जो प्रायः धरती में बिल खोदकर रहता है। एक प्रकार का बड़ा चूहा स्त्री. (तत्.) वह द्रव्य जो किसी को अपने अनुकूल कोई कार्य करने के लिए अनुचित रूप से दिया जाए, रिश्वत।

घूसखोर पुं. (देश.+फा. खोर) घूस लेने वाला, रिश्वत लेनेवाला।

घृणा स्त्री. (तत्.) 1. घिन, नफरत 2. वीभत्स रस का स्थाई भाव 3. दया, करुणा, तरस।

घृणास्पद वि. (तत्.) घृणा करने योग्य।

घृणि पुं. (तत्.) 1. प्रकाश की किरण 2. गर्मी, धूप 3. तरंग, लहर, जल 4. क्रोध, कोप 5. सूर्य।

घृणित वि. (तत्.) घृणा करने योग्य, तिरस्कृत, निंदित।

घृणी वि. (तत्.) घृणा करने वाला।

घृण्य वि. (तत्.) दे. घृणित।

घृत पुं. (तत्.) 1. घी, तपाया हुआ मक्खन 2. जल, तेजस (तत्.) आर्द्र किया हुआ, सिंचित, तर 2. द्योतित, आलोकित।

घृतकुमारी स्त्री. (तत्.) घीकुवार, गवारपाठा।